मिलकर हम नाचेंगे, गाऐंगे, मिलकर हम खुशियाँ मनाऐंगे

उमड़ते सौ करोड़
या
वन बिलियन राइज़िंग

16 दिवसीय अभियान (25 नवम्बर 2012 से 10 दिसम्बर 2012)

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2013

संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार – हर तीन में से एक औरत हिंसा का सामना करती है, यानि दुनिया में 100 करोड़ औरतें हिंसा का शिकार हो रही हैं। इस से बड़ा गृह युद्ध और इस से ज़्यादा मानव अधिकारों का उल्लंघन कोई और नहीं है। इस हिंसा को चुनौती देने और ख़त्म करने के लिये अब उठ रहा है **सौ करोड़ लोगों का उमड़ता सैलाब।** यह एक आम अभियान नहीं है। यह एक प्रण है कि हिंसा और बलात्कार की संस्कृति ख़त्म हो! लोगों की सोच बदले, समाज बदले, देश और दुनिया बदले!!

दुनिया के 160 देश दक्षिण एशिया के 8 देश भारत के 17 राज्य अब तक इस उमड़ते सैलाब में जुड़ चुके है......

14 फरवरी 2012 को एक्टिविस्ट ईव ऐन्सलर ने इस अभियान की शुरूआत की। ईव, 'वी डे' नामक संगठन की संस्थापक हैं और एक लेखिका हैं। उन्होंने पूरी दुनिया के हर देश, नस्ल, रंग, वर्ग, जेंडर और उम्र के लोगों को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है।

14 फरवरी 2013 को यह अभियान दुनिया को झकझोर देने का इरादा रखता है। दुनिया भर के देश इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

दक्षिण एशिया में इस अभियान का संयोजन 'संगत' एवं उसकी साथी संस्थाएं कर रही हैं। विभिन्न देशों में सक्रिय संस्थाएं और कार्यकर्ता हमारे साथ एकजुट हैं। भारत में सैकड़ों समूह, कॉलेज, स्कूल व हज़ारों स्त्री–पुरूष व बच्चे इस अभियान से जुड़ चुके है और हज़ारों रोज़ जुड़ रहे हैं।

दक्षिण एशिया में औरतों और उनके हक़ों, मान–सम्मान को मानने वालों को आह्वान है, कि वे

14 फरवरी 2013 को

दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे के बीच

नाचते–गाते, जश्न मनाते आवाज़ उठाते, यह ऐलान करें –

बस्स! औरतों पर हिंसा अब और नहीं, हम जहाँ भी हों वहाँ उमड़ें।
कोई गाँव, शहर, बस्ती, मोहल्ला, स्कूल, कॉलेज, बाज़ार, ऑफिस
बिना उमड़े न रहे।

उमड़ते सौ करोड़ प्रतीक हैं
हमारी विश्वव्यापी, सामूहिक ताक़त और सद्भावना का

हम जहां भी हों, जैसे भी हों, जो भी करें, बस एक ही हमारा प्रण हो–
औरतों और लड़कियों पर होने वाली हिंसा को जड़ से मिटाना है।

- हम अपने घर, स्कूल, कॉलेज, काम की जगह, अड़ोस–पड़ोस या सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, मेला कहीं भी औरतों पर हिंसा न सहे और न होने दें।
- अपने समुदाय की बैठकों और सभाओं में हिंसा को बढ़ावा देने वाले भेदभावों, व्यवहारों को समझें और समझाएं, जागरुकता फैलाएं, हस्ताक्षर अभियान चलाएं।
- फ़ेस–बुक पर वन बिलियन राइज़िंग कैंपेन पेज पर जुड़े और अपने विचार भेजें।
- हम लिखें, लोगों से आपस में चर्चा करें, अपने ब्लॉग, ई–मेल, ई–चैटिंग पर औरतों के ख़िलाफ़ हिंसा को खत्म करने के लिए इस अभियान का प्रचार करें।

ONE BILLION RISING SOUTH ASIA
उमड़ते सौ करोड़ दक्षिण एशिया
STRIKE I DANCE I RISE
विरोध करो। नाचो। उठो।

फेम (फोरम टू इन्गेजमेन्ट) :
सेन्टर फॉर हेल्थ एण्ड सोशल जस्टिस
बेसमेन्ट ऑफ यंग वुमेन होस्टल न.–2, जी–ब्लॉक, साकेत, नई दिल्ली.110017
फोन : 91–11–26511425

मेन्स एक्शन फॉर इक्विटी, पितृत्व अभियान म.प्र., संगिनी भोपाल